राष्ट्रीय हित
National Interest

- अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन उन चन्द आदर्शवादी विचारकों में से माने जाते हैं जो शक्ति के इस विशेषाधिकार की सोच से सहमत नहीं थे। फिर भी विदेशी नीति की आधारशिला राष्ट्रीय हितों पर ही आधारित होती है।
- हान्स मार्गेन्थाऊ ने लिखा है कि "जबतक दुनिया राजनीतिक रूप से राष्ट्रों में संगठित है तबतक विश्व राजनीति के निर्णय राष्ट्रीय हितों के आधार पर ही तय होते रहेंगे।
- लार्ड पामर्स्टन ने उन्नीसवीं सदी में एकबार कहा था कि - "न तो हमारे दोस्त अनन्त काल के लिए सनातन हैं और न दुश्मन। यह केवल हमारे हित हैं जो अनन्त काल के लिए हैं और हमारा कर्तव्य है कि हम इनकी रक्षा के प्रयासों में जुटे रहें।"

- नेपोलियन ने रूस के खिलाफ हमले की अपनी कार्यवाही को यह कहकर वैध ठहराया था कि वह फ्रांस के हितों की रक्षा के लिए यह कार्य कर रहा था।
- इराक ने जब कुवैत को कब्जे में कर लिया तब अमेरिकी राष्ट्रपति बुश ने इराक के खिलाफ युद्ध यही कहकर छेड़ा था कि यह अमेरिका के राष्ट्र हितों के अनुकूल है।
- इसी प्रकार विश्व के तमाम देश अपनी कार्यवाहियों को चाहे वह कितनी ही गलत क्यों न हो, राष्ट्रीय हितों की आड़ में ही वैध ठहराते हैं।
- पेडलफोर्ड तथा लिंकन का कहना है कि - "राष्ट्रीय हितों की अवधारणा समाज के बुनियादी मूल्यों पर टिकी होती है।
- राबर्ट ओसगुड के अनुसार - राष्ट्रीय हित राजकाज के ऐसे मामले हैं जो केवल इसलिए

Scanned By Scanner Go

Scanned By Scanner Go

कीमती हैं कि वे राष्ट्र के कल्याण के लिए उठाये गये हैं।

- विल्सन ने कहा है कि - "किसी राष्ट्र की विदेश नीति को सिर्फ उसके राष्ट्रीय हितों की रक्षा के दायरे में बाँधा जा सकता है। समेट कर रखने की कोशिश एक खतरनाक शुरुआत होगी। हम उन आदर्श सिद्धांतों से हटने का साहस नहीं जुटा सकते जिनके अनुसार हमारी पथप्रदर्शक नीतियाँ नैतिकता पर आधारित हैं न कि आवश्यकता पर हमारा किसी तरह के स्वार्थी इरादे नहीं हैं।

- वाशिंगटन ने कहा था कि - "कोई भी देश चाहे उसकी विचारधारा कितनी ही आदर्शवादी क्यों न हो और उन्हें पूरा करने की इच्छा भी चाहे कितनी प्रबल क्यों नहीं वह अपनी विदेश नीति का आधार अपने राष्ट्रीय हितों से अलग नहीं कर सकता।

Pol-Sc(H)
Part - II
Paper - IV

Rama Kant Pandey
S. R. A. P. College
Bara Chakiya

Scanned By Scanner Go

Scanned By Scanner Go